| YOL.. XVI. | MONTREAL, FRIDAY, JUNE 29, 1866. |  |  | No. 47. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | ume seems long stnce my last letter was laid ay in that pretty box, among all those precious buadles of big sheets and little ones, plan |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | more of it than I really like; espectally if I am |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | a drenchuyg rain, whici is not unfrequently the case. I am, at last, very pleasantly stuated in |  |  |  |
|  | the family of Mr. Emmet-the only lavyer in |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| He was warml welcomel, |  |  |  |  |
| but on acount of tie umenerous leeters and pack- | - Well, dear Carrie, I have nevs for you-- |  |  |  |
| the bogs, many of whom bad nereer been home | Lase night, after I had thrown off my overcoat after a chilly ride of six miles in the ram, and |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Mr. Emireers dor, and I mas hastily summoneti |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | in this chilly region. Indeed, I think it far morebealthy than our own more changeable chme, |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | a religious meeting still turther North, had sud- <br> denly grown worse. IIe was nearly insensible |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | Craft, whom 1 bad been called yon to ateend. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | much anooyance in so public a place; and I know this man well enough to know that it hould very |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | now, in the morning light he rerognzed me. He |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | though no di3agrecable circumsiance had everbroken our friendship. He was too weals, and |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
| ries beions peedily arrag ged, the goot people at |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | at times pray too. Well, sister dear, I must say and night, and sels some rest, tor 1 szilly need |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  soon. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | kneeling in bumble supplication at the throne of |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | (eatem |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

